



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2023

दिनांक Date: 07.08.2023

YouTube channel: <https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxxAuSyQ>

Facebook Page: <https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553>



Twitter: @IisrIcar




Whatsapp & Telegram: IISR Soy Farmers

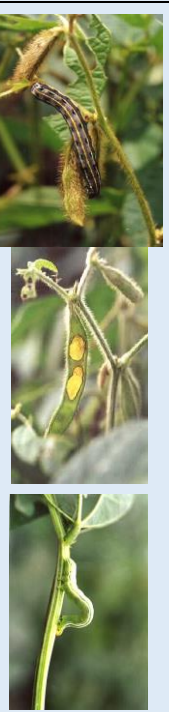
सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(7-13 अगस्त 2023 / 7th-13th August 2023)

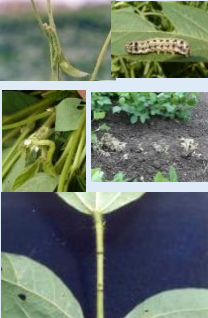

वर्तमान में सोयाबीन की खेती किये जाने वाले क्षेत्रों में सोयाबीन की फसल फूल आने की अवस्था में है. ऐसे में फसल पर चक्र भृंग, तना मक्खी तथा तम्बाकू की इल्ली जैसे कीटों तथा एन्थ्राकनोज, रायजोक्टोनिया एरिअल ब्लाइट, पीला/सोयाबीन मोजेक वायरस रोग का प्रकोप देखा जा रहा है. कृषकों को सलाह है कि अपनी फसल की सतत निगरानी करें तथा किसी भी कीट या रोग के लक्षण दिखने पर निम्नानुसार नियंत्रण के उपाय अपनाये.

Presently, soybean crop in most of the soybean growing areas of the country is at flowering stage and the infestation of insects like girdle beetle, stem fly, tobacco caterpillar as well symptoms of diseases like Anthracnose, Rhizoctonia Aerial Blight, and viruses like Yellow Vein Mosaic/Soybean Mosaic are reported this week. Farmers are therefore, advised to monitor their soybean crop on regular basis and adopt following suggested measures for the management of these biotic factors immediately after the symptoms are reported.


1.	<p>कुछ क्षेत्रों में फफूंदजनित रोगों के साथ साथ इल्लियों द्वारा फूलों को खाने के समाचार प्राप्त हुए हैं. अतः कीट एवं रोगों से फसल की सुरक्षा हेतु अनुशंसित कीटनाशकों/फफूंदनाशकों का छिड़काव करें, भले ही सोयाबीन फसल फूल आने की अवस्था में हो.</p> <p>Caterpillars are seen feeding on the soybean flowers in addition to the incidence of fungal diseases in certain soybean growing areas. Therefore, farmers are advised to apply the spray of recommended insecticide/fungicide though the crop is at flowering stage.</p>	
2.	<p>फफूंदजनित रोगों के प्रकोप से सुरक्षा हेतु कृषकों को सलाह है कि अपनी फसल पर सुरक्षात्मक रूप से टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1250 ग्राम/हे) या कार्बेन्डाजिम+मेन्कोजेब 63% WP (1250 ग्राम/हे) या पिकोक्सीस्ट्रोबिन 22.52% w/wSC (400 मिली/हे) या फ्लुक्सापाग्रोक्साड 167 g/l + पायरोक्लोस्ट्रोबीन 333 g/l SC (300 ग्रा/हे.) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन 133 g/l + इपिक्साकोनाजोल 50g/l SE (750 मिली/हे) या में से किसी एक अनुशंसित फफूंदनाशकों का तुरंत छिड़काव करें.</p> <p>Areas having continuous/incessant rains are likely to have an infestation of fungal diseases like anthracnose and/or Rhizoctonia Aerial Blight. Farmers are advised to apply the spray of recommended fungicides like Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1250 g/ha) OR Carbendazim+Mancozeb 63% WP (1250 g/ha) OR Picoxystrobin 22.52% w/w SC (400 ml/ha) OR Fluxapyroxad 167 g/l + Pyraclostrobin 333 g/l SC (300 g/ha) OR Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50g/l SE (750 ml/ha) immediately after the symptoms are seen.</p>	 

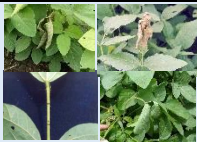

3.	<p>महाराष्ट्र के बुलढाना जिले के कुछ क्षेत्र जहाँ पर कई दिनों से बारिश नहीं होने से सुखी भूमि में सफ़ेद सुंड़ी का प्रकोप देखा जा रहा है. अतः सलाह है की इसके नियंत्रण हेतु खेत मे प्रकाश प्रपंच लगाए एवं व्हाइट ग्रब के वयस्कों को एकत्र होने पर नष्ट करें। साथ ही फसल पर क्लोरपायरीफॉस)2% दानेदार @ 16 किग्रा/हे) का सोयाबीन की फसल में पौधों में बीच छिड़काव करें।</p> <p>The infestation of White grubs has been reported in certain areas of Buldhana district in Maharashtra in absence of rainfall for the last few days. Farmers are therefore advised to installation of light traps for the collection and destruction of white grub adults. Depending upon the severity, farmers are advised for Soil application of Chlorpyrifos (2.5% granular) @ 16 kg/ha between the rows between the rows.</p>	
4.	<p>महाराष्ट्र के मराठवाडा क्षेत्र में विगत वर्षों से घोंघे (snails/गोगलगाय) द्वारा सोयाबीन की पत्तियों को खाने की समस्या बढ़ती जा रही है. कृषकों को सलाह है कि वे सतर्क रहे एवं अपने खेतों में सतत निगरानी करते रहे. इसके जुटे के बोरे को लिए गुड के द्रावन में भिगोकर अपने खेत में रात को रखे एवं अगले दिन निरिक्षण करें. इस बोरे के नीचे घोंघे पाए जाने पर उनको इकट्ठा करे एवं नमक के घोल में डालकर नियंत्रण करें. साथ ही सुरक्षात्मक रूप से अपने खेत के चारों ओर चुने की लकीर डालकर घोंघे को आने से रोके. समस्या अधिक होने पर सोयाबीन के लिए अनुशंसित संपर्क कीटनाशक जैसे मेलथिऑन 50 ईसी. (1500 मिली/हे) या लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 4.90 % सी.एस. (300 मिली/हे) या इन्डोक्साकार्ब 15.8 इ.सी. (333 मिली/हे) का फसल एवं जमीन पर छिड़काव करें.</p> <p>The leaf-eating damage caused by snails has been reported in the Marathwada region of Maharashtra for last few years. Farmers are advised to monitor the crop on a regular basis and keep watch on the situation in their field. They may deep the jute bag in the jiggery solution and place it in the filed overnight. If the snails are observed beneath the jute bags, control them by dipping in the salt solution. Similarly, farmers may put lime borders in their field to prevent their entry. If the population is more, a spray of contact insecticide like (Malathion 50.00% EC (1500 ml/ha) OR Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha) targeting both crop as well as ground surface may be applied.</p>	
5.	<p>पीला मोज़ेक/सोयाबीन मोज़ेक रोग के नियंत्रण हेतु सलाह है कि तत्काल रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें तथा इन रोगों को फैलाने वाले वाहक सफ़ेद मक्खी की रोकथाम हेतु एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिड़काव करें. इसके स्थान पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % ZC (200 मिली/हे) का भी छिड़काव किया जा सकता है. इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है .यह भी सलाह है कि सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु कृषकगणअपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.</p> <p>For control of YMV/SMV diseases, farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts along with spray with Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha). Alternatively, you may also use either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha). This will also facilitate control of stem fly. Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies, the vector of YMV.</p>	

<p>6.</p>	<p>चक्र भृंग के नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि प्रारंभिक अवस्था में ही आइसोसायक्लोसरम 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 मिली/हे) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी. (250-300 मिली/हे) या थायक्लोप्रिड 7.21 एस.सी. (750 मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी (1 ली./है) या इमामेक्टीन बेन्जोएट 01.90 % ई.सी. (425 मिली /है) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी 18.50 % SC का छिड़काव करें। यह भी सलाह दी जाती है कि इसके फैलाव की रोकथाम हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट कर दें.</p> <p>For control of girdle beetle alone, farmers are advised for destruction of affected plant part as well as spraying with Isocycloseram 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Thiacloprid 21.7 S.C. (750 ml/ha) OR Profenophos 50 E.C. (1 l/ha) OR Chlorantraniliprole 18.50 % SC (150 ml/ha) soon after the symptoms are observed.</p>	 <p>Damage Symptoms of Girdle Beetle</p>
<p>7.</p>	<p>पत्ती खाने वाली इल्लियाँ (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) के एक साथ नियंत्रण हेतु निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या ब्रोफ्लानिलाइड 300 एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150 मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी, (150मि.ली./हे) या इमामेक्टीन बेन्जोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे केवल तम्बाकू की इल्ली के नियंत्रण हेतु), या पूर्वमिश्रित बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/है :सेमीलूपर इल्ली के नियंत्रण के लिए) या पूर्वमिश्रित थायमिथोक्सम +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/है सेमीलूपर इल्ली के नियंत्रण के लिए) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % ZC, (200 मिली/हे सेमीलूपर इल्ली के नियंत्रण के लिए) का छिड़काव करें. इनसे पत्ती खाने वाली इल्लियों के साथ साथ फूल खाने वाली इल्लियों का नियन्त्रण हो सकेगा. For control of defoliators like Semilooper, tobacco caterpillar and heliothis, farmers are advised to spray any one of the following insecticides: Quinalphos 25EC (1 l/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC (825-875 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Spinetoram 11.70 % SC (150 ml/ha for control of tobacco caterpillar only) OR pre-mixed Beta-cyfluthrin 08.49 % + Imidacloprid 19.81 % w/w OD (350 ml/ha-effective against semilooper) OR Thiamethoxam 12.60 % + Lambda-cyhalothrin 09.50 % ZC (125 ml/ha-effective against semilooper) OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha-effective against semilooper).</p>	

8.	<p>जहाँ पर एक साथ पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) तथा रस चूसने वाले कीट जैसे सफ़ेद मक्खी/एफिड एवं तना छेदक कीट (तना मक्खी/चक्र भृंग) प्रकोप हो, इनके नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. या थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) का छिड़काव करें.</p> <p>In areas having infestation of defoliators as well white fly and stem borers simultaneously, it is advised to spray the crop with either one of the premixed formulations like Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha) OR Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha).</p>	
9.	<p>ऐसे क्षेत्र जहाँ सोयाबीन फसल लगभग 30-40 दिनों की हो गई हैं. इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए अब खरपतवार नियंत्रण हेतु केवल हाथ से निर्दाई किये जाने की सलाह दी जाती हैं.</p> <p>The soybean crop in most of the area is of 30-40 days duration. Considering this, manual weeding method is only advised for the control of weed management.</p>	

अन्य सुरक्षात्मक उपाय/सामान्य सलाह Other Precautionary Measures and general advise

1	<p>तम्बाकू की इल्ली एवं चने की इल्लियों के नियंत्रण हेतु बाजार में उपलब्ध कीट-विशेष फेरोमोन ट्रैप या प्रकाश प्रपंच लगाये. इनके सेप्टा लगाने से पूर्व अपने हाथ स्वच्छ है यह सुनिश्चित करें.</p> <p>For the management of Tobacco caterpillar and gram pod borer, farmers are advised for installation of insect-specific pheromone traps and use of NPV (250 LE/ha). Use of Emamectin benzoate (425 ml/ha) is also effective against these insects. Clean your hands before the installation of the septa.</p>	
2	<p>जैविक सोयाबीन उत्पादन करने वाले कृषकों को सलाह है कि पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली) से फसल की सुरक्षा एवं प्रारंभिक अवस्था में ही रोकथाम हेतु <i>बेसिलस थुरिन्जिएन्सिस</i> अथवा <i>ब्युवेरिया बेसिआना</i> या <i>नोमुरिया रिलेयी</i> (1.0ली./हेक्टे) का छिड़काव करें.</p> <p>Farmers are advised to use <i>Bacillus thuringiensis</i> or <i>Beauveria bassiana</i> or <i>Nomuriya rileyi</i> @ 1 l/ha for control of defoliators (semilooper, tobacco caterpillar) especially in organic soybean production.</p>	
3	<p>कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा इल्लियों को खाने से होने वाले नियंत्रण को और सुविधाजनक बनाने हेतु सोयाबीन फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है .</p> <p>Install "T shaped" Bird Perches at different locations facilitating the easy access to the predatory birds for feeding on leaf eating caterpillars.</p>	
4	<p>वायरस जनित पीला मोज़ेक/सोयाबीन मोज़ेक रोगों से सुरक्षा हेतु इन रोगों को फैलाने वाले रसचूसक कीट सफ़ेद मक्खी/जासिड के नियंत्रण के लिए अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.</p> <p>Install Yellow Sticky Traps at different locations in the field as preventive measures for control of white fly and/or Jassids, acting as carriers for transmission of these viral diseases.</p>	
5	<p>अपने खेत की नियमित निगरानी करें एवं खेत में जाकर 3-4 स्थानों के पौधों को हिलाकर सुनिश्चित करें कि क्या आपके खेत में किसी इल्ली/कीट का प्रकोप हुआ है या नहीं और यदि हैं, तो कीड़ों की अवस्था क्या हैं? तदनुसार उनके नियंत्रण के उपाय अपनाये.</p> <p>Farmers are advised to monitor their crop on regular intervals preferably at 3-4 locations in their fields and see whether any insect/pest/caterpillar is there along with their stage. This will facilitate the effective insect control measures.</p>	

6	<p>सोयाबीन की फसल घनी होने पर चक्र भृंग का प्रकोप अधिक होने की सम्भावना होती है। इसके लिए प्रारंभिक अवस्था में ही (एक सप्ताह के अन्दर) दो रिंग दिखाई देने वाली ऐसी मुरझाई/लटकी हुई ग्रसित पत्तियों को तने से तोड़कर जला दे या खेत से बाहर करें।</p> <p>Densely populated soybean crop may leads to increased incidence of Girdle beetle. It is advised to pick/destroy the affected plant part (dried tripholiolate leaf having two rings on petiole) immediately after the symptoms are visible.</p>	
7	<p>कई क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा होने की सूचनाये प्राप्त हुई हैं, कृषकों को सलाह है कि जलभराव से होने वाले नुकसान से सोयाबीन फसल को बचाने हेतु अतिरिक्त जल-निकासी सुनिश्चित करें।</p> <p>Some of the soybean growing areas are reported to have continuous and heavy rains last week. Farmers are therefore advised to make necessary draining arrangements.</p>	
8.	<p>अपने खेतों में चूहों के नियंत्रण के उपाय अपनाएँ।</p> <p>Take necessary steps for the prevention of rats in the field.</p>	
9	<p>सोयाबीन फसल पर पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों (कीटनाशक/फफूंद नाशक) के छिड़काव में पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रेयर या ट्रेक्टर चालित स्प्रेयर से 450 लीटर/हे पाँवर स्प्रेयर से 125 लीटर/हे न्यूनतम) का उपयोग करें।</p> <p>Farmers are advised to use recommended quantity of water while spraying the insecticide or herbicide (450 l/ha for knapsack/ tractor drawn sprayer OR 120 l/ha for power sprayer).</p>	
10	<p>कीट एवं रोगों से फसल सुरक्षा हेतु उपयुक्त रसायनों का छिड़काव किया जाना चाहिए, भले ही सोयाबीन फसल फुल आने की अवस्था में हो।</p> <p>Protection of crop from the damage caused by insect-pest-disease is of paramount importance. The spray of insecticide/fungicide may be applied even at the flowering stage of the crop.</p>	
11	<p>किसी भी प्रकार का कृषि-आदान क्रय करते समय दूकानदार से हमेशा पक्का बिल लें जिस पर बैच नंबर एवं एक्सपायरी दिनांक स्पष्ट लिखा हो .</p> <p>While purchasing any Agri-input, always obtain a <i>pucca bill</i> from the shopkeeper showing batch number and expiry date of the product(s).</p>	
12	<p>ऐसे रसायन (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) जो सोयाबीन फसल में उपयोग हेतु भारत सरकार के केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा जारी सूचि में शामिल नहीं, उपयोग नहीं करें।</p> <p>Do not use such chemicals (insecticide/herbicide/fungicide) which are not having label claim for soybean duly approved by the Central Insecticide Board of GOI.</p>	
13	<p>जिन रसायनों (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) के मिश्रित उपयोग की वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें. इससे फसल को नुकसान हो सकता है।</p> <p>Farmers are suggested not to use any combination of insect/herbicides, which is not recommended/tested, by the ICAR-IISR. This may cause damage/losses to the crop.</p>	

Please follow our social Media

